।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565–224600, 224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

250वें अभिनिश्क्रमण दिवस का दूसरा चरण

तेरापंथ रूढ़ीवादी नहीं है – आचार्य महाप्रज्ञ

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 25 मार्च : राश्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि तेरापंथ रूढ़िवादी नहीं है। क्योंकि इसके अनु ाास्ता हमे ाा अनेकांत की त्रिपदी के साथ चलते हैं। जो परिवर्तन के योग्य था उसमें परिवर्तन किया गया और जिसमें परिवर्तन जरूरी नहीं जो ध्रुव था कोई परिवर्तन नहीं किया गया। यह सूत्र आचार्य भिक्षु ने दिया। उनकी सूझबूझ के कारण ही तेरापंथ को आज इतना य ा मिल रहा है। आचार्य भिक्षु में मति, गति, धृति और कृति इन चारों का योग था इसीकारण उन्होने रूढ़िवाद पर प्रहार किया। और विकास की दि ाा में पैरों को गतिमान किया।

आचार्य महाप्रज्ञ ने 250 वें अभिनिश्क्रमण दिवस समारोह के दूसरें चरण में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहां से पहला कदम उठता है वह भूमि बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए बगड़ी का अपना महत्त्व है। वहां से किया गया अभिनिश्क्रमण वि व को नया द ान देने वाला बन गया है। उन्होने कहा कि हम लोग बीज और पैर को देखते है। ये दोनो बहुत महत्त्वपूर्ण है। पैर के बिना गति नहीं है और बीज से ही पत्ते, टहनीयां, फूल, फल बनते हैं। बीज बहुत छोटा होता है पर वह विस्तार ले लेता है। पर बीज विस्तार तभी लेता है जब उसे सिंचन मिलता है। आचार्य भिक्षु के विचारों को, द ान को उनके यानि ि ाश्यों का सिंचन मिला। यह उनकी उच्च ग्रह की जन्म कुंडली का ही प्रभाव था। स्वयं अच्छा होना कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है संतान का समर्पण मिलना। आचार्य भिक्षु को साधु–साध्वी एवं श्रावक–श्राविका समाज इतना समर्पित मिला और उनके सिद्धांतों का व्यापक प्रसार करने वाला मिला। यह विलक्षण बात है। अगर ऐसा नहीं होता तो आचार्य भिक्षु क्रांतदृश्टा के रूप में पहचान नहीं बना पाते। उन्होने जयाचार्य एवं आचार्य तुलसी को बुद्धिमान व्यक्ति बताते हुए कहा कि बुद्धिमान व्यक्ति भक्त हो यह बहुत कठिन है। परन्तु जयाचार्य एवं आचार्य तुलसी में भिक्षु स्वामी के प्रति भक्ति कूट कूट कर भरी थी। उनके रचित गीतों की विवेचना की जाये तो एक नया इन साईक्लोपीडिया का निर्माण हो जायेगा।

युवाचार्य महाश्रमण ने कठोर कार्य करने के लिए अवस्था भी युवा होनी जरूरी है। सब आचार्य महाप्रज्ञ नहीं हो सकते। आचार्यवर तो 90 वर्श की अवस्था में भी इतना काम करवाते है, जितना श्रम 90 वर्श का हर कोई आदमी नहीं कर सकता। इसलिए संघर्शों को झेलने के लिए युवा अवस्था कारगर होती है। आचार्य भिक्षु ने भी युवावस्था में क्रांति की। भ्राांति सब चाहते हैं। भ्राांति भीतर में रहे पर क्रांति की बात भी सोचना जरूरी है। जो कश्ट आये उनको झेलने की भाक्ति होनी चाहिए। उन्होने बगड़ी नगर से आचार्य भिक्षु द्वारा की गई धर्मक्रांति के रोचक प्रसंग को प्रस्तुत करते हुए कहा कि क्रांति की लहर और उसका प्रभाव हमे ाा बना रहे इसका प्रयास होना चाहिए।

कार्यक्रम में मुनि कि ानलाल, बगड़ी तेरापंथ सभा के अध्यक्ष, इन्द्रचंद सेठिया, मंत्री जयन्तीलाल सुराणा, गौतम सेठिया ने अपने विचार रखे। मुनि रजनी ा कुमार, साध्वी वसुधाश्री, साध्वी सुलसाश्री, पूर्वी पारख, संदीप बरड़िया, महेन्द्र सिंघी एवं साध्वीवृंद ने गीतों के द्वारा श्रद्धा अभिव्यक्त की। बगड़ी के तेरापंथ समाज के वरिश्ठ

श्रावकों के साथ सु ील सेठिया ने अभिनिश्क्रमण से जुड़ी स्मारिका पूज्यवरों को भेंट की। इस मौके पर तमिलनाडू तेरापंथ निर्दे िका का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

जीवन विज्ञान भवन में आज प्रवचन

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण का प्रवचन कार्यक्रम आज आड़सर बास स्थित जीवन विज्ञान भवन में प्रातः 9 बजे से होगा। उक्त जानकारी देते हुए आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के उपसंरक्षक रिद्धकरण लूणिया ने बताया कि आचार्यप्रवर धर्मसंघ के साथ प्रातः 7.30 बजे तेरापंथ भवन (उपरलो) के गुलाबचंद भयामसुखा के आवास के लिए विहार करेगें और वहां से प्रवचन हेतु जीवन विज्ञान भवन में पधारेगें। आचार्यवर का रात्री प्रवास भयामसुखा आवास पर ही रहेगा।

''अंधेरे उजाले'' नाटिका का हुआ मंचन

युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में समाज में बढ़ती दहेज की समस्या पर कड़ा प्रहार करने वाली ''अंधेरे उजाले'' का मंचन राजेन्द्र भूतोड़िया के नेतृत्व में कलकत्ता से पहुंची वि ेश टीम ने किया। समाज की विभिन्न समस्याओं पर प्रहार करने वाले करीब 12 नाटकों का लेखन करने वाले राजेन्द्र भूतोड़िया ने बताया कि एम. एच.यू. क्रियेटिव थियेटर संस्था के द्वारा अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर, कलकत्ता आदि महानगरों मे 15 से ज्यादा भाो कर सुके हैं। हमारी टीम में सब अपने विजनस् चलाने वाले लोग हैं परन्तु समाज की बुराईयों को मिटाने के लिए अपना श्रम और समय नियोजित करते हैं। आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित एवं जैन वि व भारती के मंत्री भीखमचंद पुगलिया के सहयोग से मंचन हुए इस नाटक को लोगों ने खूब दाद दी। इस नाटक में प्रदीप कुंडलियां, हेमलता भूतोड़िया, कमल पुगलिया, नुपुर कुंडलिया, सु ीला पुगलिया, रा ी मेहता, रोहित श्रीमाल, राजे ा बैद, भरत बैद, सिद्धार्थ भूतोड़िया, नरेन्द्र सुराणा, सुमित सुराणा ने विभिन्न किरदारों को निभाकर जीवंत दृ य प्रस्तुत किये।

भिक्षु द ान कार्य ाला का आयोजन

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में 250वें भिक्षु अभिनिश्क्रमण दिवस पर युवक परिशद् के द्वारा भिक्षु द ान कार्य ाला का आयोजन किया गया। कार्य ाला को संबोधित करते हुए युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि भिक्षु द ान बहुत गहन विशय है। ढाई घंटे की इस कार्य ाला से पूर्ण ज्ञान नहीं हो सकता परन्तु एक सुन्दर भाुरूआत हो गई है। इसको आगे भी जारी रखना है और भिक्षु द ान के साहित्य से ज्ञान को बढ़ाना है। उन्होने कहा कि आचार्य भिक्षु ने केवल विचार क्रांति ही नहीं की थी। उनमें पौरूश था। आंखें निर्भिक, साहसी अनु ाासन प्रिय एवं मर्यादाओं के निर्माता थे। युवाचार्यवर ने तेयुप श्रीडूँगरगढ़ एवं महिलामंडल की सक्रियता की सराहना की। कार्य ाला को मुनि दिने ाकुमार, मुनि योगे ाकुमार ने संबोधित किया। मुनि महावीर कुमार ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। तेयुप के अध्यक्ष के.एल. जैन ने बताया कि इस कार्य ाला में 250वर्श के उपलक्ष में 250 संभागी थे एवं 150 अन्य श्रोता उपस्थित थे। संभागियों की भिक्षु द ान पर परीक्षा भी ली गई। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहने वाले संभागियों को सम्मानित किया जायेगा। कार्य ाला का संचालन मंत्री रविन्द्र गोलछा ने किया।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक